भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1985
दिनांक 11 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

पशुपालन एवं पशु कल्याण उत्सव

1985. श्री मनोज तिवारी:

श्री बिभु प्रसाद तराई:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पशुपालन और पशु कल्याण उत्सव के भाग के रूप में किए जाने वाले विशिष्ट कार्यक्रमों या पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) किसानों, डेयरी उत्पादकों और पशु कल्याण संगठनों को इन कार्यकलापों में किस प्रकार शामिल किया जाएगा;

(ग) क्या पशु चिकित्सकों और पशु देखभालकर्ताओं के लिए कोई विशेष प्रशिक्षण या क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की योजना बनाई गई है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या पशुपालन और कल्याण पहलों का समर्थन करने के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन या सब्सिडी की योजना बनाई गई है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी.सिंह बघेल)

(क) भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी से 13 फरवरी तक पशुपालन और पशु कल्याण माह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य शिविर, टीकाकरण शिविर, पशु कल्याण से संबंधित जागरूकता आदि जैसे विभिन्न पशुपालन विकास कार्यक्रम, पशु कल्याण कार्यकलाप संबंधी गहन अभियान चलाए जाएंगे।

(ख) राज्य सरकारों, पशु कल्याण संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों से कार्यशालाएं और ऑनलाइन वेबिनार, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता गोष्ठियां, पशुधन मेले, सर्वोत्तम दूध उत्पादन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं, पशु शो, पशु कल्याण और पशुपालन विषयों पर स्कूल/कॉलेजों के छात्रों के बीच प्रतियोगिता, पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्य कर रही गौशालाओं और गैर सरकारी संगठनों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया गया है।
इन कार्यकलापों के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों, पशुओं में प्रचलित रोगों और उनके नियंत्रण की प्रक्रिया, सरकार की योजनाओं, उपलब्ध सर्वोत्तम पद्धतियों से अवगत कराकर लाभान्वित किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से किसानों को उनके पशुओं के डीवार्मिंग, टीके, बांझपन के समाधान का लाभ मिलेगा। पशु कल्याण कार्यक्रम के तहत नागरिकों को देश में विभिन्न पशु कल्याण कानूनों, पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 के उपबंधों और कई अन्य लाभों के बारे में भी जागरूक किया जाएगा।

(ग) निर्धारित माह के दौरान राज्य सरकारों को आवश्यकतानुसार क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यकलाप आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(घ) राज्य सरकार, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय गोकुल मिशन और पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण योजनाओं जैसी केन्द्र सरकार की वर्तमान योजनाओं के तहत निधियन प्राप्त कर सकती है।

*****